



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

PUBLISHED BY AUTHORITY
प्राधिकार से प्रकाशित

सं. 86]

नई दिल्ली, सोमवार, फरवरी 24, 1992/फाल्गुन 5, 1913

No. 86]

NEW DELHI, MONDAY, FEBRUARY 24, 1992/PHALGUNA 5, 1913

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

जन-भूतल परिवहन मंत्रालय

(पत्तन पक्ष)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 24 फरवरी, 1992

सा.का.नि. 121(अ) :—केन्द्र सरकार, महापत्तन न्यास अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 132 की उपधारा (1) के साथ पठित धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, नव गंगल पत्तन न्यासी मंडल द्वारा बनाए गए और इस अधिसूचना के साथ संलग्न अनुसूची में नव गंगल पत्तन न्यास (निशमो का रूपांतर) प्रथम संशोधन(1992) का अनुसूचन करती है।

2. उक्त विनियम, इस अधिसूचना के सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवक्त होगी।

[फा.स. पो.आर.-12012/10/91-प्री.ई.-1]

अशोक जोशी, संयुक्त सचिव

डाफ्ट नव मंगलौर पत्तन न्यास (नियमों का रूपांतर)

प्रथम संशोधन (1992)

मुख्य पत्तन न्यास अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 28 के तहत दी गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए नव मंगलौर पत्तन न्यास बोर्ड एतद्वारा उपर्युक्त अधिनियम की धारा 124 के तहत केन्द्र सरकार के अनुमोदन से भारतीय राजपत्र, असाधारण दिनांक 27 मार्च, 1980 में जी.एस.आर. 140(ई) के अन्तर्गत प्रकाशित नव मंगलौर पत्तन न्यास (नियमों का रूपांतर) विनियम, 1980 में संशोधन हेतु निम्नलिखित नियम बनाता है :—

1. (1) ये विनियम नव मंगलौर पत्तन न्यास (नियमों का रूपांतर) प्रथम संशोधन विनियम, 1992 कहलायेंगे।
- (2) ये विनियम सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने का तारीख से लागू होंगे।

2. न.म.प. न्यास (नियमों का रूपांतर) विनियम, 1980 के विनियम 4 का शर्त में आये शब्द "कर्मचारी के लिये लाभदायक नहीं" निकाल दिये जायेंगे।

मुख्य विनियम

जहाजराती एवं परिवहन मंत्रालय (परिवहन विंग)

जी.एस.आर. 140(ई) दिनांक 27 मार्च, 1980 की अधिसूचना।

(बी. महापात्र)

अध्यक्ष

नव मंगलौर पत्तन न्यास

प्रशासनिक अधिकारी

नव मंगलौर पत्तन न्यास

पेनम्बर मंगलौर-575010

नव मंगलौर पत्तन न्यास (नियमों का रूपांतर) विनियम, 1990 का संशोधन

क्रम संख्या	विनियम जिसमें संशोधन का प्रस्ताव है	नव मंगलौर पत्तन न्यास (रूपांतर नियमों) विनियम, 1980 में मूल उपबंध	प्रस्तावित संशोधन	श्रीचिन्मय
1	2	3	4	5
1.	विनियम 4	वर्तमान नियमों को जारी रखना :— वर्तमान नियम एवं आदेश और निम्नलिखित मामलों के संबंध में निर्धारित दिन अथवा उसके बाद उन में किये गये संशोधन अधिनियम के तहत केन्द्र सरकार द्वारा बनाए गए नियमों के रूप में उस समय तक जारी रहेंगे जब तक अधिनियम अथवा उसके तहत बनाये गये विनियमों के उपबंधों के अन्तर्गत उन्हें असंगत करार नहीं दिया जाता और जब तक बोर्ड द्वारा उन्हें परिवर्तित विखंडित अथवा संशोधित नहीं किया जाता, नामतः (1) अधिनियम की धारा 28 के तहत उल्लिखित मामले और	परन्तु वर्तमान नियमों एवं आदेशों में पूर्वोक्त संशोधन ऐसे कर्मचारी के मामले में उस समय तक लागू नहीं होगा जब तक बोर्ड केन्द्र सरकार की पूर्व अनुमति प्राप्त न कर ले	यह संशोधन मंत्रालय के पत्र संख्या पी. आर. 12011/3 88-पी.ई.-1 दिनांक 18 जनवरी, 1989 के निर्देश के अनुसार प्रस्तावित किया गया है।

1	2	3	4	5
		(2) अधिनियम का धारा 123 के खंड (बी) तथा खंड (सी) में (एन) में उल्लिखित मामले; परन्तु वर्तमान नियमों एवं आदेशों का शर्त "किसी कर्मचारी के लिये लाभदायक नहीं" में पूर्वोक्त संशोधन जब तक लागू नहीं होगा तब तक कि बोर्ड केन्द्र सरकार की पूर्व अनुमति प्राप्त न कर ले।		

MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT

(Ports Wing)

NOTIFICATION

New Delhi, the 24th February, 1992

G.S.R. 121(E). --In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 124, read with sub-section (4) of Section 132 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Central Government hereby approves the New Mangalore Port Trust (Adaptation of Rules) First Amendment Regulations, 1992, made by the Board of Trustees for the Port of New Mangalore and set out in the Schedule annexed to his notification.

2. The said regulations shall come into force on the date of publication of this notification in the official Gazette.

[No. PR-12012/10/91-PE.I]

ASHOKE JOSHI, Jt. Secy.

DRAFT NEW MANGALORE PORT TRUST (ADAPTATION RULES) FIRST AMENDMENT, 1992

In exercise of the powers conferred by Section 28 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963) the New Mangalore Port Trust Board hereby makes, subject to the approval of the Central Govt. under Section 124 of the above Act, the following Regulations to amend the New Mangalore Port Trust (Adaptation of Rules) Regulations, 1980 published as GSR 140E in the Gazette of India, Extraordinary, 27th March, 1980;

1. (1) These Regulations may be called the New Mangalore Port Trust (Adaptation of Rules) First Amendment Regulations, 1992.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.

2. In Regulation 4 of NMPT (Adaptation of Rules) Regulations, 1980, the words "not advantageous to an employee" coming in the proviso shall be deleted.

Principal Regulations

Ministry of Shipping and Transport, (Transport Wing) Notification at GSR 140(F) dated 27th March, 1980.

B. MAHAPATRA, Chairman

New Mangalore Port Trust.

Administrative Office,
New Mangalore Port Trust.
Panambur, MANGALORE-575 010.

AMENDMENT TO NEW MANGALORE PORT TRUST (ADAPTATION RULES)
REGULATIONS 1980

Sl. No. which amendment is proposed	Regulation to Original provision in the New Mangalore Port Trust (Adaptation) Rules, 1980	Regulation	Justification
1. Regulation 4	Existing Rules to Continue: Existing Rules and orders and subsequent amendments thereto made on or after the appointed day relating to the following matters shall, to the extent they are not inconsistent with the provisions of the Act or any regulations made thereunder, and until they are altered repealed or amended by the Board, continue in force as if they were made by the Central Govt. under the Act, namely: (i) matters specified under Section 28 of the Act and (ii) matters specified in clause (b) and clauses (c) to (n) of Section 123 of the Act: Provided that any amendment aforesaid to the existing Rules and orders, not advantageous to an employee, shall not be made applicable to such employee unless the Board obtains the previous sanction of the Central Government.	Provided that any amendment aforesaid to the existing Rules and orders shall not be made applicable to such employee unless the Board obtains the previous sanction of the Central Govt.	This amendment has been proposed as directed by the Ministry vide their letter No. PR-12011 3/88-PE.I dated. 18th January, 1989.